

## अरब लीग

### प्रलिस के लयः

अरब लीग, मध्य पूरव, खाड़ी देश, तेल, प्रेषण, सीरयल संकट ।

### मेन्स के लयः

अरब लीग- मध्य पूरव में भारत का महत्त्व ।

## चर्चा में क्यों?

एक दशक से अधिक के नलिनबन के बाद हाल ही में अरब लीग ने सीरयल को फरः से संगठन में शामिल कर लयल है ।

## सीरयल को अरब लीग में क्यों शामिल कयल गयल है?

### ■ नलिनबन:

- सरकार वरुधुी प्रदर्शनो पर हसुक रूड से कानूनी कार्रवाई के बाद वर्ष 2011 में सीरयल को अरब लीग से नलिनबतः कर दयल गयल थल ।
- अरब लीग ने सीरयल पर शांतःयोजना का पालन नहीं करने का आरोड लगायल, जसःमें सैन्य बलो की वापसी, राजनीतकः कैंदयः की रहलई और वडकषी समूहो के साथ बातचीत शुरू करने का आह्वान कयल गयल थल ।
- शांतः वारता और युद्धवरःम समझौते के प्रयासो के बावजूद, हसः जारी रहल, जसःके चलते अंततः सीरयल को संगठन से नलिनबतः कर दयल गयल ।
- इस नलिनबन से सीरयल को आर्थकः एवं कूटनीतकः परणामो को सामना करना पड़ा ।

### ■ पुनः शामिल कयल जाना:

- यह कदम सीरयल तथा अन्य अरब देशो की सरकारो के बीच संबंधो में नरमी का प्रतीक है और इससे सीरयल में जारी संकट के समाधान हेतु एक क्रमकः प्रक्रयल की शुरुआत के रूड में देखा जा रहा है ।
  - सीरयल संकट के परणामस्वरूड 21 मलयःन की युद्ध-पूरव आबादी के लगभग आधे हसःसे का वसःथापन हुआ है और 300,000 से अधिक नागरकःो की मृत्यु हुई है ।
- सीरयल को इन लकष्यो को प्राप्त करने में मदद करने के लयः एक समतःकी स्थापना की जाएगी जसःमें मसःर, सऊदी अरब, लेबनान, जॉर्डन और इराक शामिल होंगे ।
  - लेकिन इस नरःणय का मतलब अरब राज्यो और सीरयल के बीच संबंधो की बहाली नहीं है क्योंकि यह प्रत्येक देश पर नरःभर करता है कःवःह इसे वयकःतगतः रूड से तय करे ।
- यह सीरयल में जारी गृहयुद्ध से उत्पन्न संकट के समाधान का आह्वान करता है, जसःमें शरणार्थयो के पड़ोसी देशो में प्रवास करने और पूरे कषेत्तर में नशीली दवाओ की तसुकरी शामिल है ।

## अरब लीग कयल है?

### ■ परचयः

- अरब लीग, जसः लीग ऑफ अरब स्टेट्स (LAS) भी कहा जातल है, मध्य पूरव और उत्तरी अफ्रीका के सभी अरब देशो का एक अंतर-सरकारी समग्र-अरब संगठन (pan-Arab organisation) है ।
- वर्ष 1944 में अलेक्जेंडरयल प्रोटोकॉल को अपनाने के बाद 22 मार्च, 1945 को काहरः, मसःर में इसका गठन कयल गयल थल ।

### ■ सदस्यः

- वर्तमान में इसमें 22 अरब देश शामिल हैं: अलजीरयल, बहरीन, कोमोरोस, जबूती, मसःर, इराक, जॉर्डन, कुवैत, लेबनान, लीबयल, मॉरटानयल, मोरकको, ओमान, फलःसःतीन, कतर, सऊदी अरब, सोमालयल, सूडान, सीरयल, ट्यूनीशयल, संयुक्त अरब अमीरात और यमन ।



//

#### ■ उद्देश्य:

- इसका उद्देश्य अपने सदस्यों के राजनीतिक, सांस्कृतिक, आर्थिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों को मज़बूती प्रदान करना तथा उन्हें समन्वयित करना और उनके बीच या उनके एवं तीसरे पक्ष के बीच **वविादों की मध्यस्थता** करना है।
  - 13 अप्रैल, 1950 को संयुक्त रक्षा और आर्थिक सहयोग संबंधी एक समझौते पर हस्ताक्षर ने भी **सभीहस्ताक्षरकर्त्ताओं को सैन्य रक्षा उपायों के समन्वय के लति प्रतबिद्ध कया**।

#### ■ चतिाएँ:

- अरब लीग की उन **मुद्दों को प्रभावी ढंग से हल करने में असमर्थता के चलते आलोचना** की गई है जिन्हें संभालने के लिये इसका गठन कया गया था। इस संस्थान तथा इसके उद्देश्य वाक्य **"एक अरब राष्ट्र एक शाश्वत मशिन के साथ"** (one Arab nation with an eternal mission) जसि अब अप्रचलति माना जा रहा है, की प्रासंगिकता पर भी सवाल उठ रहे हैं।
  - इससे ऐसे उदाहरण भी सामने आए हैं जहाँ नेताओं के वार्षिक शखिर सम्मेलन जैसे महत्त्वपूर्ण कार्यक्रमों को स्थगति या रद्द कर दया गया है।
- **नरिणयों को लागू करने और अपने सदस्यों के बीच संघर्षों का समाधान करने में प्रभावशीलता की कमी** के चलते लीग की आलोचना भी की गई है। इस पर एकजुटता भंग करने, खराब प्रशासन और अरब लोगों एक **बजायनरिंकुश शासन का अधिकि प्रतनिधिहोने का आरोप** भी लगाया गया है।

**भारत के लयि मध्य पूरव/उत्तरी अफ्रीका (MENA) का महत्त्व**

■ मध्य पूर्व:

- ईरान जैसे देशों के साथ सदियों से भारत के अच्छे संबंध रहे हैं, जबकि छोटा सा गैस समृद्ध देश कतर इस क्षेत्र में भारत के सबसे करीबी सहयोगियों में से एक है।
- खाड़ी के अधिकांश देशों के साथ भारत के अच्छे संबंध हैं।
- इन संबंधों के दो सबसे महत्वपूर्ण कारण तेल एवं गैस तथा व्यापार हैं।
- दो अन्य कारण खाड़ी देशों में काम करने वाले भारतीयों की भारी संख्या और उनके द्वारा देश में भेजे जाने वाले प्रेषण हैं।

■ उत्तरी अफ्रीका:

- मोरक्को और अल्जीरिया जैसे उत्तरी अफ्रीकी देश भारत के लिये महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वे अफ्रीका के अन्य हिस्सों हेतु प्रवेश द्वार के रूप में काम करते हैं। भारत की फ्रैंकोफोन अफ्रीका (फ्रेंच भाषी अफ्रीकी राष्ट्र) में प्रवेश की इच्छा को देखते हुए यह क्षेत्र भारत के लिये अधिक प्रासंगिक हो जाता है।
- स्वच्छ ऊर्जा के स्रोत के रूप में अपनी क्षमता के कारण उत्तरी अफ्रीका भारत के लिये महत्वपूर्ण है। इस क्षेत्र में सौर एवं पवन संसाधन उपलब्ध हैं, जिनका उपयोग विद्युत उत्पादन हेतु किया जा सकता है।
  - भारत ने महत्वाकांक्षी नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्य निर्धारित किये हैं और उत्तरी अफ्रीका भारत को अपने नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्यों को पूरा करने का अवसर प्रदान कर सकता है।
- इसके अलावा उत्तरी अफ्रीका की रणनीतिक अवस्थिति इसे व्यापार एवं वाणिज्य के लिये एक महत्वपूर्ण क्षेत्र बनाती है।
- उत्तरी अफ्रीका स्वेज़ नहर के माध्यम से होने वाले वैश्विक व्यापार के परस्पर प्रतिच्छेद मार्ग पर है। वर्ष 2022 में 22000 से अधिक जहाज़ पारगमन के साथ, यह नहर विश्व के सर्वाधिक महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक है।

## UPSC सविलि सेवा परीक्षा, पछिले वर्ष के प्रश्न

**??????:**

प्रश्न. नमिनलखिति युगों पर वचिार कीजयि: (2018)

कभी-कभी समाचारों में चर्चति शहर: देश

- |                 |            |
|-----------------|------------|
| 1. अलेप्पो      | सीरिया     |
| 2. करिकुक       | यमन        |
| 3. मोसुल        | फलिस्तीन   |
| 4. मज़ार-ए-शरीफ | अफगानस्तान |

उपर्युक्त युगों में से कौन-से सही सुमेलति हैं?

- (a) केवल 1 और 2  
(b) केवल 1 और 4  
(c) केवल 2 और 3  
(d) केवल 3 और 4

उत्तर: (b)

प्रश्न. दक्षणि-पश्चमि एशया का नमिनलखिति में से कौन-सा एक देश भूमध्य सागर तक नहीं फैला है? (2015)

- (a) सीरया  
(b) जॉर्डन  
(c) लेबनान  
(d) इज़रायल

उत्तर: (b)

प्रश्न. 'गोलन हाइट्स' के नाम में जाना जाने वाला क्षेत्र नमिनलखिति में से किससे संबंधति घटनाओं के संदर्भ में यदा-कदा समाचारों में दखिाई देता है?(2015)

- (a) मध्य एशया  
(b) मध्य-पूर्व  
(c) दक्षणि-पूर्व एशया  
(d) मध्य अफ्रीका

उत्तर: (b)

प्रश्न. योम कपिपुर युद्ध कनि पक्षों/देशों के बीच लड़ा गया था? (2008)

- (a) तुर्कयि और ग्रीस
- (b) सर्ब और क्रोट्स
- (c) मसिर और सीरयिा के नेतृत्व में इज़रायल और अरब देश
- (d) ईरान और इराक

उत्तर: (c)

स्रोत: इकनॉमिक टाइम्स

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/arab-league>

